सं० भी.वि./एफ.डी./28-84/8423.—बूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैं निरक्स इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०, प्लाट न० 72, सैक्टर 24, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री हरि राम तथा उसके प्रबंधकों के मध्म इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भीद्योगिक विवाद है:

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, भव, भौधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रवान की गई गिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7(क) के ध्वधीन भौधोगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिदिष्ट विवादप्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले, श्वमिक सथा प्रवन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं:—

म्या श्री हरि राम की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वेह किस राह्त का हेकदार है ?

सं श्रो.वि./एफ.डी./ 15 84/8430.---चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैं श्रातमा राम जगदीश चन्द्र साईकल डीलर्ज, जी. टी. रोड़, नजदीक पंजाब होटल, पलवल, के थिमक श्री लाल सिंह तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई मोबीगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, श्रीचोगिक विवाद मेधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करतें हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त श्रिधिनयम की धारा 7(क) के सधीन श्रीचोगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट विवादमस्त या इससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रीमक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री लाल सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० भी वि /एफ.डी./14-84/8437.--चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मै० के ०एल० नैयर एण्ड सन्ज प्लाट नं ० 33, सैन्टर-6, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री बिन्दा भगत तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

· भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिये, श्रव, भौद्योगिक विवाद भिविनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा अदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त श्रिधिनियम की धारा 7 (क) के प्रधीन भौद्योगिक श्रिधकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिद्धिक्ट विवादगस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रिमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं:----

क्या श्री बिन्दा भगत की सेवामों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० भी वि /एफ.डी./196-83/8444. - चूंकि राज्यपाल, हरियाणां की राय है कि मैसर्जे मैटाव्लैक्स (इण्डिया) प्रा० लि० 20/5 मथुरा रोड़ फरीदाबाद, के भामिक श्री भूप सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामसे के सम्बन्ध में कोई भोडोगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल दिवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, मीद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा अदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य संरकार द्वारा उक्त प्रधिनियम की धारा 7(क) के ग्रधीन ग्रीवोगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट विवादप्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा अवस्थकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री मूप सिंह की सेवांसों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हुकदार है ?